



प्रौद्योगिकी के साथ उन्नति SCALING UP WITH TECHNOLOGY





आपके नये घर का सपना साकार किजियें,
अब महासुपर आवास ऋण योजना के साथ

**Build your dream castle with
Mahasuper Housing Loan scheme**

महा सुपर आवास ऋण

- ऋण राशि की कोई अधिकतम सीमा नहीं
- आयु सीमा- 65 वर्ष
- पुर्नभुगतान अवधि 30 वर्ष तक
- आकर्षक ब्याज दरें
- कोई छिपे हुए प्रभार नहीं
- 10 लाख तक का उपभोक्ता ऋण

MAHA SUPER HOUSING LOAN

- No Upper Limit of Loan Amount
- Age limit upto 65 years
- Repayment period up to 30 years
- Attractive Interest Rates
- No Hidden Charges
- Consumer Loan upto Rs. 10 lakhs

अधिक जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें / For details please call us on : 8010 614 614



बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra

भारत सरकार का उद्यम

एक परिवार एक बैंक

*नियम व शर्तें लागू

*T&C Apply

टोल फ्री क्र.: 1800-233-4526 | वेबसाइट : www.bankofmaharashtra.in | नेट बैंकिंग: <https://www.mahaconnect.in>

अपने इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी तथा यूजर आई-डी/पासवर्ड या अपने क्रेडिट/डेबिट कार्ड का क्रमांक/सीवीवी/ओटीपी किसी को भी फोन या ई-मेल के माध्यम से साझा न करें.

Do not share your internet banking details, such as, user ID / Password or your Credit / Debit card number / CVV / OTP with anyone, either over phone or through email.

अनुक्रमणिका INDEX

क्र. No.	विषय सूची	Contents	पृष्ठ क्र. Page No.
1.	निदेशक मंडल	Board of Directors	2
2.	महाप्रबंधकगण	General Managers	3
3.	प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का कथन	Statement of Managing Director & CEO	4
4.	प्रगति एक नज़र में	Progress at a glance	7
5.	निदेशकों की रिपोर्ट	Directors' Report	8
	- प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण	- Management Discussion and Analysis	8
	- वर्ष 2018-19 का कार्य निष्पादन	- Performance Highlights 2018-19	8
	- बैंक की महत्वपूर्ण योजनाएं / परियोजनाएं	- Important Schemes/Projects of the Bank	21
	- निगमित सामाजिक दायित्व	- Corporate Social Responsibility	23
	- अग्रणी बैंक योजना	- Lead Bank Scheme	24
	- सहायक कंपनियां/संयुक्त उद्यम और प्रायोजित संस्थाएं	- Subsidiaries/Joint Ventures and Sponsored Institutions	25
	- राजभाषा नीति का कार्यान्वयन	- Implementation of Official Language Policy	27
	- निदेशकों की जिम्मेदारी का कथन	- Directors' Responsibility Statement	28
	- निदेशक मंडल में परिवर्तन	- Changes in the Board of Directors	29
	- व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट	- Business Responsibility Report	29
	- आभार	- Acknowledgements	29
6.	कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट	Corporate Governance Report	35
7.	तुलनपत्र	Balance Sheet	68
8.	लाभ व हानि लेखा	Profit & Loss Account	69
9.	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	79
10.	खातों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	85
11.	नकदी प्रवाह का विवरण	Cash Flow Statement	122
12.	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report	124
13.	बेसल III प्रकटन	Basel III Disclosures	131
14.	समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statements	164
15.	व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट	Business Responsibility Report	199

16वीं वार्षिक साधारण बैठक का नोटिस संलग्न NOTICE FOR 16TH ANNUAL GENERAL MEETING ENCLOSED

सांविधिक लेखा परीक्षक STATUTORY AUDITORS

पी पारीख एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

एम डी गुजराती एंड कंपनी
सनदी लेखाकार

पी जी भागवत
सनदी लेखाकार

के गोपाल राव एंड कंपनी
सनदी लेखाकार

P Parikh & Associates
Chartered Accountants

M D Gujrati & Co
Chartered Accountants

P G Bhagwat
Chartered Accountants

K Gopal Rao & Co.
Chartered Accountants



बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

(प्रधान कार्यालय : 'लोकमंगल', 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005)
(Head Office: 'Lokmangal', 1501, Shivajinagar, Pune - 411 005)

निदेशक मंडल/ BOARD OF DIRECTORS

31-03-2019 की स्थिति के अनुसार / As on 31-03-2019



श्री ए. एस. राजीव
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

Shri A. S. Rajeev
Managing Director & CEO



श्री ए. सी. राउत
कार्यपालक निदेशक

Shri A. C. Rout
Executive Director



श्री हेमन्त टम्टा
कार्यपालक निदेशक

Shri Hemant Tamta
Executive Director



श्रीमती वंदिता कौल
Smt. Vandita Kaul



श्री जी. श्रीकुमार
Shri G. Sreekumar



श्री आर. तामोधरन
Shri R. Thamodharan



डॉ. अर्चना आर. धोलकिया
Dr. Archana R. Dholakia



श्री दीनदयाल अग्रवाल
Shri Deendayal Agrawal



श्री लक्ष्मीनारायण रथ Shri Laxminarayan Rath
मुख्य सतर्कता अधिकारी Chief Vigilance Officer

महाप्रबंधकगण / GENERAL MANAGERS

31-03-2019 की स्थिति के अनुसार / As on 31-03-2019



श्री टी. वी. रमण मूर्ती
Shri T. V. Raman Murthy



श्री रमेश बी. क्षीरसागर
Shri Ramesh B. Kshirsagar



श्रीमती नलिनी श्रीरामन
Smt. Nalini Shiraman



डॉ. एन. मुनिराजु
Dr. N. Muniraju



श्री एन. राम बाबु
Shri N. Ram Babu



श्री वी. पी. श्रीवास्तव
Shri V. P. Srivastava



श्री पी. आर. खटावकर
Shri P. R. Khatawkar



श्री उन्नम आर. राव
Shri Unnam R. Rao



श्री एम. जी. महाबलेश्वरकर
Shri M. G. Mahabaleshwarkar



श्री ए. एस. राजीव
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

Shri A. S. Rajeev
Managing Director & CEO

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का कथन

प्रिय शेयरधारकों,

मैं आपके बैंक की 16वीं वार्षिक साधारण बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। पिछले दो वर्ष भारतीय बैंकिंग उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण रहे, जिसके दौरान बढ़ती हुई अनर्जक आस्तियों और आस्ति गुणवत्ता में समग्र हास के परिणामस्वरूप अधिकांश बैंकों को सतत रूप से तिमाही आधार पर हानि का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी उधारी क्षमता और पूंजी पर असर पड़ा। वित्तीय वर्ष 2018-2019 को भारतीय बैंकिंग उद्योग हेतु उल्लेखनीय वर्ष कहा जा सकता है, क्योंकि सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में जान फूँकने तथा उनके पुनरुत्थान के लिए विभिन्न कदम उठाए गए, जिसके परिणामस्वरूप ऋण उठाव में वृद्धि हुई।

पहली तिमाही में 8.2% की पर्याप्त वृद्धि के पश्चात् भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2018-19 की अनुवर्ती तिमाहियों में लगभग 7% के सुखद स्तर पर रही। यह निजी खपत में अधोमुखी वृद्धि, स्थिर निवेश में मध्यम वृद्धि और मंद निर्यात के कारण हुआ। तथापि भारत अपनी मजबूत बुनियाद के आधार पर सर्वाधिक तेजी से वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में रहा। भारत विश्व बैंक की 'ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस' इंडेक्स 2018 में 23 स्थानों की बढ़ोत्तरी कर 77वें रैंक पर आ गया। क्रय शक्ति क्षमता (पैरिटी ऑफ़ पावर पैरिटी) के अनुसार हम 9.5 ट्रिलियन यूएस डॉलर की जीडीपी के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। भारत ने 4,750 से अधिक प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप के साथ विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप बेस का स्थान बनाए रखा।

विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था विमुद्रीकरण और जीएसटी कार्यान्वयन के प्रभावों से उबरकर फिर मजबूती से आगे बढ़ रही है। सुदृढ़ निजी खपत और विभिन्न सुधार उपायों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2020 में लगभग 7.5% तक की वृद्धि अपेक्षित है। दबाव की एक प्रदीर्घ अवधि के पश्चात् खराब आस्तियों के दूर हो जाने, सकल अनर्जक आस्ति अनुपात में गिरावट और प्रावधान व्याप्ति अनुपात में सुधार के कारण बैंकिंग क्षेत्र सुधार की राह पर अग्रसर दिखाई देता है जो कि सकारात्मक संकेत है।

अंतरिम बजट में विभिन्न योजनाएं आरंभ की गई हैं यथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन, पीएम किसान कार्यक्रम, कृत्रिम मेधा पर राष्ट्रीय कार्यक्रम की निर्मिति, जीएसटी पंजीकृत एमएसएमई इकाईयों हेतु 1 करोड़ के ऋण पर दो प्रतिशत ब्याज सबवेन्शन और विजन 2030 से भारत के बेहतर सामाजिक और भौतिक संरचना के प्रति अग्रसर होना अपेक्षित है।

STATEMENT OF MANAGING DIRECTOR & CEO

Dear Shareholders,

I extend a very warm welcome to each one of you to the 16th Annual General Meeting of your Bank. The past couple of years have been testing for Indian Banking industry with rising NPAs, and overall deterioration of asset quality resulting in successive quarterly losses for most of the Banks; thereby hampering their lending capacity and capital. FY 2018-2019 may be called a breakthrough year for Indian Banking Industry as several steps were taken by Government to breathe air into Public Sector Banks and revive them resulting in increase in the credit off take.

From healthy growth of 8.2% in the first quarter, Indian economy eased to about 7% in the subsequent quarters of financial year 2018-19 due to declining growth of private consumption, tepid increase in fixed investment, and muted exports. However India still remains one of the fastest growing major economies, based on its strong fundamentals. India moved up by 23 places in the World Bank's Ease of Doing Business Index 2018, inching upto 77th rank. In terms of purchasing power parity, we are the third largest economy with GDP of US \$ 9.5 trillion. India has retained its position as the third largest start-ups base in the world with over 4,750 technology start-ups.

As per World Bank latest report, Indian economy has bounced back strongly from the impact of demonetisation and GST implementation. It is expected to grow by around 7.5 % in FY 2020, based on robust private consumption and various reform measures. After a prolonged period of stress, the banking sector appears to be on course to recovery as the load of impaired assets recedes; declining gross NPA ratio and improving Provision Coverage Ratio, being positive signals.

Various Schemes introduced in the interim budget like Pradhan Mantri Shram Yogi Mandhan, PM KISAN programme, creation of National programme on Artificial intelligence, two per cent interest subvention on loan of 1 crore for GST registered MSME units, and Vision 2030 are expected to push up India towards better social and physical infrastructure.

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरण आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है, यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें विगत 12 माह का विश्लेषण करने और भविष्य की योजनाओं की ओर उन्मुख होने का अवसर प्रदान करता है।

आपके बैंक का कार्यनिष्पादन

आपकी संस्था के प्रति आपकी अटूट आस्था और विश्वास के कारण बैंक ऑफ महाराष्ट्र ऐसे पहले कुछ बैंकों में था जो त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) से बाहर आया।

मुझे यह सूचित करते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018-2019 की चौथी तिमाही में ₹72.38 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है। इस प्रकार जोशीले निष्पादन से वर्ष की समाप्ति हुई और हम वित्तीय वर्ष 2019-2020 में भी इस गति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आपके बैंक का 1832 शाखाओं का शाखा नेटवर्क है, जिसमें से 1043 शाखाएं ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। बैंक की देशभर में उपस्थिति है। बैंक के पास अपने ग्राहकों के हितों के लिए बेहतर सेवा प्रदान करने हेतु 12913 कर्मचारियों का प्रतिबद्ध और समर्पित कार्य-बल है।

31.03.2019 को कुल व्यवसाय ₹234116.79 करोड़ रहा।

- 31 मार्च, 2019 को कुल जमा राशियां ₹140650.09 करोड़ रहीं और सकल अग्रिम ₹93466.70 करोड़ रहे।
- कासा जमा राशियों में 5.25% (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर) की वृद्धि हुई और 31 मार्च, 2019 को यह ₹69829.81 करोड़ रही। यह कुल जमा राशियों का 49.65% है।
- जमा राशियों की लागत विगत वर्ष के 5.31% से वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कम होकर 31 मार्च, 2019 को समाप्त अवधि हेतु 4.99% रही।
- निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के 2.32% से सुधरकर मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष में 2.53% रहा।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 हेतु परिचालनगत लाभ पिछले वर्ष के ₹2191.40 करोड़ से सुधरकर ₹2197.61 करोड़ रहा।
- 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु निवल हानि ₹4783.88 करोड़ रही (31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु ₹1145.65 करोड़ की निवल हानि के तुलनात्मक)
- सकल एनपीए और निवल एनपीए क्रमशः 16.40% (₹15324.49 करोड़) और 5.52% (₹4559.33 करोड़) रहे।
- बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31 मार्च, 2019 को 11.86% रहा, जो कि बेसल-III मानदंडों के अनुसार 10.875% के अपेक्षित स्तर से अधिक है।
- सीइटी 1 अनुपात न्यूनतम अपेक्षित 7.375% की तुलना में 9.88% रहा।

वर्ष के दौरान, बैंक ने नई कारोबार पहलें की जो कि निम्नानुसार हैं -

- विशेष सेवाएं प्रदान करने के लिए उच्च नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों (एचएनआई) हेतु प्रीमियम बचत बैंक जमा योजना 'पर्पल प्रीविलेजेस'
- एटीएम में केन्द्रीकृत ई-निगरानी प्रणाली : एक पूर्व-सक्रिय प्रणाली, जो कि केन्द्रीकृत रूप से निगरानी/ नियंत्रित होती है और टू-वे कम्युनिकेशन, अलार्म बजने तथा हूटर प्रणाली द्वारा घुसपैठिए/ अजनबी व्यक्ति को पहचानने की क्षमता रखती है। यह प्रणाली इन स्थानों पर सुरक्षा गार्डों की जरूरत को अनपेक्षित करती है।
- इंटरनेट बैंकिंग में यूजर डिफाइंड सीमाओं की सुविधा।
- मोबाइल बैंकिंग - पंजीकृत विदेशी मोबाइल क्रमांक के माध्यम से ओवरसीज ग्राहकों हेतु पंजीकरण।
- बैंक ने अपना यूपीआई मोबाइल एप्लीकेशन 'महा-यूपीआई' आरंभ किया।
- रुपये प्लैटिनम कार्ड ग्राहकों को जारी किए जा रहे हैं।
- सीबीएस के अंतर्गत ई-केवाईसी उपलब्ध कराया गया जो कि एक ऑनलाइन आधार प्राधिकरण प्रक्रिया है।
- पीएसबी59 मिनट योजना आरंभ की गई है जिसके अंतर्गत सिद्धांत रूप से अनुमोदन दिया जाएगा।

It gives me immense pleasure to place before you the Annual Report and Financial statement of your Bank for year ended 31 March 2019. This is an important occasion, giving us an opportunity to revisit past 12 months and ahead to future plans.

Performance of your Bank

With the help of your unbending trust and reliance on your Institution, Bank of Maharashtra was one of the first few Banks to have emerged out of Prompt Corrective Action (PCA).

I am also pleased to inform you that your Bank has registered a Net Profit of ₹ 72.38 crore in Q4 of FY 2018-2019 thus ending on a high note and we are committed to carry forward this momentum in FY 2019-2020 as well.

Your Bank has a branch network of 1832 branches of which 1043 branches are located in rural and semi urban areas. Bank has PAN India presence. Bank has committed and dedicated work force of 12913 employees to serve its customers.

Total business stood at ₹234116.79 crore as on 31.03.2019.

- As on 31.03.2019, total deposits stood at ₹140650.09 crore & Gross advances at ₹93466.70 crore.
- CASA deposits increased by 5.25% (Y-o-Y), to ₹69829.81 crore as on March 31 2019, constituting 49.65 % of total deposits.
- Cost of deposits has come down on Y-o-Y basis to 4.99% for period ended March 31 2019 from 5.31% a year ago
- Net Interest Margin (NIM) improved to 2.53% in year ended March 2019 as against 2.32% in year ended March 2018.
- Operating profit for FY 2018-19 stood at ₹2197.61 crore, improved from ₹ 2191.40 crore, a year ago.
- Net loss for the year ended March 31, 2019 was ₹4783.88 crore (as compared to net loss of ₹1145.65 crore in year ended March 31, 2018).
- Gross NPAs and Net NPAs stood at 16.40% [₹15324.49 crore] and 5.52% [₹4559.33 crore] respectively.
- Bank had Capital Adequacy ratio of 11.86% as on March 31 2019, above the required level of 10.875% as per Basel – III norms.
- CET 1 ratio stood at 9.88% as against minimum required 7.375%

During the year, your Bank had taken new business initiatives as under:

- Premium Savings Bank Deposit Scheme "Purple Privileges" for High Net worth Individuals (HNIs) for providing specialized services.
- Centralized e-Surveillance System at ATMs: A proactive system, which is centrally monitored / controlled & has the capability to detect & deter intruders / unknown persons by use of two-way communication, blowing Alarm & Hooter Systems. The system obviates the need to have security guards at these locations.
- Facility for user defined Limits in Internet banking.
- Mobile Banking – Registration for overseas customers via registered foreign mobile number.
- Bank launched 'Maha-UPI', its UPI mobile application.
- Rupay "Platinum" Cards being issued to customers.
- e-KYC, an online Aadhaar Authentication process is made available under CBS
- PSB59 Minutes Scheme has been started under which in-principal approval would be given



भविष्य की ओर

हमारे लिए यह अनिवार्य है कि हम वित्तीय वर्ष 2019-20 में भी वृद्धि की गति को बनाए रखें और इसे बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म में सुधार तथा आरएम पर ध्यान केन्द्रित करते हुए हमारे ऋण संविभाग में वृद्धि के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

ग्राहक बैंकिंग सुविधा पर स्पष्ट फोकस के साथ बैंकों की परिचालन क्षमता में संवर्धन हेतु बहुत सी पहलें प्रक्रियाधीन हैं। संवर्धित और परिष्कृत विनियामक व्यवस्था के साथ बैंकिंग क्षेत्र और अधिक निपुण बनने की ओर अग्रसर है।

ए. एस. राजीव
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

Way forward

It's imperative for us to carry the momentum of growth in FY 2019-20 as well and the same can be achieved by means of increasing our credit portfolio by focusing on RAM and improving our digital platforms for providing better customer service.

A number of initiatives are underway to improve the operational efficiency of Banks: with the clear focus on ease of customer banking. With the enhanced and improvised Regulatory regime, the banking sector is set to be much more proficient.

A. S. Rajeev
Managing Director & CEO

प्रगति एक नजर में Progress at a Glance

	(₹ करोड़ में) (₹ in Crore)					
	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
प्रदत्त पूंजी Paid up Capital	1427	1063	1168	1168	2598	2753
आरक्षितियां Reserves	5941	7004	7619	6211	7346	2986
कुल जमा राशियां Total Deposits	116803	122119	138990	139053	138981	140650
वृद्धि % Growth %	23.61	4.55	13.82	0.05	(0.05)	1.20
कुल जमा राशियों में कासा का अंश CASA Share in Total deposits	35.89	37.09	36.67	44.89	47.74	49.65
अग्रिम Advances	90369	101210	111240	101537	94645	93467
वृद्धि % Growth %	18.29	12.00	9.91	(8.72)	(6.79)	(1.24)
रिटेल अग्रिम Retail Advances	10769	11817	12568	15792	16547	18806
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम Priority Sector Advances	34826	39095	41485	40388	40709	35431
कृषि Agriculture	13091	15521	17175	17960	15067	15220
सूक्ष्म व लघु उद्यम Micro and Small Enterprises	18597	20657	22144	20419	16283	13633
अल्पसंख्यक वर्ग को अग्रिम Advances to Minority Sections	2265	3264	3037	2921	2887	2924
अजा/अजजा वर्ग को अग्रिम Advances to SC / ST Sections	1512	1643	1684	1738	2333	16667
निर्यात ऋण Export Credit	1949	1301	1226	1213	1210	1200
कुल आय Total Income	12851	13671	14072	13570	12602	12397
कुल व्यय Total Expenditure	10845	11316	11727	11743	10411	10199
परिचालन लाभ Operating Profit	2006	2355	2345	1827	2191	2198
निवल लाभ Net Profit	386	451	101	(1373)	(1146)	(4784)
शाखाओं की संख्या Number of Branches	1854	1880	1895	1897	1846	1832
एटीएम की संख्या Number of ATMs	1827	1849	1861	1878	1864	1858
प्रमुख निष्पादन अनुपात (%) Key Performance Ratios (%)						
पूंजी पर्याप्तता अनुपात-बेसल III (%) Capital Adequacy Ratio- Basel III (%)	10.79	11.94	11.2	11.18	11.00	11.86
प्रति शेयर आय Earning Per Share	4.56	4.5	0.91	(11.75)	(8.98)	(14.26)
प्रति शेयर बही मूल्य Book Value Per Share	66.69	65.61	63.36	46.96	23.73	10.24
प्रति कर्मचारी व्यवसाय Business Per Employee	14.39	15.74	18.18	18.54	18.07	18.13
प्रति कर्मचारी लाभ (₹ लाख में) Profit Per Employee (₹ in lakhs)	2.68	3.18	0.73	(10.58)	(8.86)	(37.05)
औसत आस्तियों पर आय Return on Average Assets	0.3	0.33	0.07	(0.86)	(0.73)	(3.01)
लागत आय अनुपात Cost to Income Ratio	54.43	51.75	52.12	60.98	55.24	58.39
सकल अनर्जक आस्ति अनुपात Gross NPA ratio	3.16	6.33	9.34	16.93	19.48	16.40
निवल अनर्जक आस्ति अनुपात Net NPA ratio	2.03	4.19	6.35	11.76	11.24	5.52
प्रावधान कवरेज अनुपात Provision Coverage Ratio	56.15	46.57	45.04	44.48	58.71	81.49
ऋण- जमा अनुपात Credit- Deposit ratio	77.37	82.88	80.03	73.02	68.10	66.45
समायोजित निवल बैंक ऋण से प्राथमिकता ऋण (* निवेश छोड़कर) Priority Credit to Adjusted Net Bank Credit (* Excluding investment)	44.03	41.76	39.82	34.99	38.63	*36.13

निदेशकों की रिपोर्ट

आपके निदेशक 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन-पत्र, लाभ व हानि खाते और व्यवसाय एवं परिचालन पर रिपोर्ट के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

1. प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण:

1.1 आर्थिक और बैंकिंग परिदृश्य 2018-19

वैश्विक विकास ने 2018 में कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों, भू-राजनैतिक तनावों और बढ़ती व्यापार प्रतिस्पर्धाओं के माहौल को कुछ कम किया है। विशेष रूप से उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी बहिर्वाह और आस्ति मूल्य अस्थिरता के साथ वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़ा है।

घरेलू स्तर पर, 2018-19 की पहली छमाही में तेजी से जीडीपी वृद्धि हुई, जिसने विमुद्रीकरण और वस्तुएं व सेवा कर के कार्यान्वयन के क्षणिक प्रभाव को कम कर दिया। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा 2018-19 के दौरान बैंक ऋण वृद्धि में एक मजबूत पुनःप्रवर्तन किया गया और एनबीएफसी ने भारतीय वित्तीय प्रणाली में समग्र सुधार का सुझाव दिया।

भारतीय बैंक तेजी से जोखिम प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (भारिबैं) ने ऋण जानकारी का एक व्यापक डेटाबेस, सार्वजनिक ऋण रजिस्ट्री (पीसीआर) स्थापित करने का निर्णय लिया है, जो सभी हितधारकों के लिए सुलभ है। दिवाला व दिवालियापन कोड (इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) से बैंकिंग सेक्टर को मजबूती मिलने की संभावना है।

1.2 2019-20 के लिए आउटलुक

वैश्विक आर्थिक स्थितियों में सुधार, नीति निर्माताओं के लिए अल्पावधि तथ्यों, जो संकटों का सामना करने का अपरिहार्य हिस्सा है, से फोकस हटाकर दीर्घकालिक चुनौतियों का निपटान करने और विकास के प्रति गहरी पैठ बना चुकी बाधाओं को दूर करने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करता है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारत की जीडीपी वृद्धि मध्यम रूप से 7.5 प्रतिशत से बढ़ने की संभावना है, जो निरंतर निवेश सुदृढ़ीकरण, विशेष रूप से निजी-सुधारित निर्यात कार्यानिष्ठादन और लचीली खपत से प्रेरित है। पुनर्मुद्रीकरण और कम उधारी लागत से निजी खपत व्यय में वृद्धि होने की संभावना है। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से इस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

केंद्रीय अंतरिम बजट 2019-20 में प्रधान मंत्री श्रम योगी मानधन, पीएम-किसान कार्यक्रम आरंभ करने, मुद्रा, स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया पर ध्यान केंद्रित करके अधिक तकनीकी नौकरियों पर ध्यान केंद्रित करने तथा एमएसएमई और ट्रेडर्स सशक्तिकरण के संबंध में विभिन्न प्रस्ताव एवं इस प्रकार घरेलू व्यापार और सेवाओं का समर्थन, वृद्धि के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।

दिवाला व दिवालियापन कोड (इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) में संशोधन और फ़िनटेक कंपनियों द्वारा तैयार की जा रही ब्लॉक चैन प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को बड़े पैमाने पर अपनाने के रूप में नवोन्मेष से बैंकिंग क्षेत्र का भी लाभान्वित होना अपेक्षित है।

2. व्यवसाय व जमाराशियों का कार्य-निष्ठादन 2018-19:

- आपके बैंक का कुल व्यवसाय 31.03.2018 के ₹ 233626.38 करोड़ की तुलना में 31.03.2019 को ₹ 234116.79 करोड़ रहा।
- कुल जमाराशियां पिछले वर्ष के ₹ 138981.18 करोड़ की तुलना में ₹ 140650.09 करोड़ रहीं।
- कासा जमाराशियां 31.03.2018 के ₹ 66345.44 करोड़ की तुलना में बढ़कर 31.03.2019 को ₹ 69829.81 करोड़ रुपये रहीं, जिसमें ₹ 3484.37 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई। 31.03.2019 को कुल जमाराशियों से कासा का हिस्सा 49.65% रहा।

DIRECTORS' REPORT

Your Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank with the audited Balance Sheet, Profit & Loss Account and the Report on Business and Operations for the year ended March 31, 2019.

1. MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS:

1.1 Economic and Banking Scenario 2018-19

Global growth has shed some momentum in 2018 in an environment of volatile crude prices, geopolitical tensions and escalating trade wars. Financial conditions especially in the emerging market economies have tightened with capital outflows and asset price volatility.

Domestically, a pickup in GDP growth took hold in the first half of 2018-19, having shrugged of the transient effects of demonetization and implementation of the Good and Services Tax. A strong revival in bank credit growth during 2018-19 by private and public sector banks and NBFC's suggests an overall improvement in the health of the Indian Financial System.

Indian banks are increasingly focusing on adopting integrated approach to risk management. Reserve Bank of India (RBI) has decided to set up Public Credit Registry (PCR) an extensive database of credit information which is accessible to all stakeholders. The Insolvency and Bankruptcy Code is expected to strengthen the banking sector.

1.2 Outlook for 2019-20

The improvement in global economic conditions offers greater scope for policymakers to shift from a short-term focus that is inevitably part of coping with crises, towards addressing longer-term challenges and eliminating deep-rooted barriers to development.

India's GDP growth is expected to accelerate moderately to 7.5 per cent in Fiscal Year 2019-20, driven by continued investment strengthening, particularly private-improved export performance and resilient consumption. The private consumption expenditure is expected to receive a boost from remonetisation and lower borrowing costs. Rise in crude prices could however play a spoilsport.

The various proposals in the Union Interim Budget 2019-20 with regards to launching of Pradhan Mantri Shram Yogi Mandhan, PM-KISAN programme, focus on more technical jobs by focus on schemes like MUDRA, Start up India and Stand Up India and Empowering MSME and Traders and thus supporting domestic trade and services will act as a catalyst for growth.

Banking sector is also expected to be benefitted by the amendment in Insolvency and Bankruptcy Code and the innovations in form of massive adoption of Artificial intelligence and Blockchain technology being undertaken by the fintech companies.

2. PERFORMANCE HIGHLIGHTS 2018-19:

- Total Business of your Bank stood at ₹ 234116.79 crore as on 31.03.2019 as against ₹ 233626.38 crore as on 31.03.2018.
- Total deposits stood at ₹ 140650.09 crore as compared to ₹ 138981.18 crore last year.
- CASA deposits increased to ₹ 69829.81 crore as on 31.03.2019 from ₹ 66345.44 crore as on 31.03.2018, registering a growth of ₹ 3484.37 Crore. Share of CASA to total deposits stood at ₹ 49.65% as on 31.03.2019.